INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	Department: Hindi	
पाठ – 2 हार की जीत	Topic -प्रश्नोत्तर तथा व्याकरण भाग	Note: Pl. write in your note book.

पाठ -2 हार की जीत

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1-घोड़ा देखकर किसको बड़ा आनंद आता था ?

उत्तर - घोड़ा देखकर बाबा भारती को बड़ा आनंद आता था।

प्रश्न 2- बाबा भारती के घोड़े का नाम क्या था ?

उत्तर- घोड़े का नाम सुलतान था ।

प्रश्न 3- गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में कौन रहता था?

उत्तर - गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में बाबा भारती रहते थे ।

प्रश्न 4 - किसकी कीर्ति खड्गसिंह के कानों तक पहुँची?

उत्तर- सुलतान की कीर्ति खड्गसिंह के कानों तक पहुँची ।

प्रश्न 5 - खड्गसिंह कौन था?

उत्तर- खड्गसिंह डाकू था ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 - बाबा भारती कहाँ रहते थे? वहाँ क्या करते थे?

उत्तर-बाबा भारती गाँव से बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे। वहीं भगवान का भजन किया करते थे।

प्रश्न 2- घोड़े के बारे में किसे पता चला? वह कैसा आदमी था ?

उत्तर-घोड़े के बारे में खड्गसिंह को पता चला। वह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे।

प्रश्न 3 - बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से कौन-सा वचन लिया?

उत्तर-बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से यह वचन लिया कि इस घटना को वह किसी के सामने प्रकट न करेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 -बाबा भारती घोड़े की किस प्रकार सेवा करते थे ?

उत्तर - बाबा भारती का भगवद्-भजन के बाद जो समय बचता, वह घोड़े की सेवा में अर्पण हो जाता। वे रोजाना अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते थे। वे ऐसी लगन और प्यार से अपने सुलतान घोड़े की देखभाल करते थे कि मानो वह उनका प्रियजन हो। उन्हें रुपया, माल , जमीन तथा सुखमय जीवन से भी घृणा थी। वे गाँव के बाहर एक छोटे मंदिर में रहते थे।

प्रश्न 2 -घोड़े सुलतान को देखकर बाबा भारती को कैसे आनंद की प्राप्ति होती थी ?
उत्तर-बाबा भारती को अपने घोड़े सुलतान को देखकर बड़ा आनंद मिलता था। जैसे माँ को अपने बेटे को देखकर, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत को देखकर आनंद आता है, उसी प्रकार बाबा भारती को अपने घोड़े को देखकर आनंद मिलता था। वे सुलतान के बिना एक क्षण भी नहीं रह सकते थे।

शब्दार्थः
अर्पण- भेंटकरना ।
घृणा-नफरत ।
कीर्ति – यश
छवि – शक्ल, सुंदरता
अभिलाषा–इच्छा
बाँका-सुंदर,स्वस्थ्य
अस्तबल–घोड़े बाँधने का स्थान
मिथ्या-झूठ
करुणा–दया
अपाहिज-विकलांग
प्रकट- उपस्थित बताना
` प्रयोजन-उद्देश्य

व्याकरण भाग -

कारक (Case) - कारक चिह्न - ने ,को ,से(Through, By),के द्वारा,
के लिए, से (from) का ,के , की, हे !, अरे ! आदि

प्रश्न1- निम्नलिखत वाक्यों में कारक चिह्न रेखांकित कीजिए l

1 - राम ने रावण को तीर से मारा l
2 - मीना ने गृहकार्य कर लिया है l

3 - मोना ने बच्चों के लिए खाना बनाया l

4 - पेड़ पर चिड़िया का घोंसला है l

5 - नदी में आम गिर गया है l

6 - पेड़ से फल और पत्ते गिर रहे हैं l

7 - अरे भाई ! मेरी सहायता करो l

8 - बच्चों के कमरे में दो खिलौने हैं l

9 - मीरा का घर विद्यालय के पास है l

10- सोफे पर मत कूदो l

प्रश्न- 2 दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए l

1 - जिसका कभी जन्म न होता हो - अजन्मा

2 - जिसका कोई कारण न हो - अकारण

3 - परिश्रम करनेवाला - परिश्रमी

4 - जिसके आने की तिथि निश्चित न हो - अतिथि

5 - जिसका अंत न हो - अनंत

6 - जो कभी न मरे - अमर

प्रश्न - 3 निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए l

	एकवचन		बहुवचन
1 -	घोड़ा	-	घोड़े
2 -	किताब	-	किताबें
3 -	आँख	-	आँखें
4 -	गाय	-	गाएँ
5 -	बेटी	-	बेटियाँ
6 -	तारा	-	तारे
7 -	मछली	-	मछलियाँ
8-	ताला	-	ताले

****